

त्रिणउ आरारा. उक्तिर. तृण, तरणुं  
 त्रिणि अभिऊ. उक्तिर. त्रण, त्रण वडे [सं.  
 त्रीणि]  
 त्रिणि उपबा. गुर्जरा. त्रण (सं.त्रीणि)  
 त्रिण्य आनंस्त. त्रण  
 त्रिण्ह उक्तिर. त्रण (सं.त्रीणि)  
 त्रिदिसि आनंस्त. त्रण दिशाए  
 त्रिनि आरारा. त्रण (सं.त्रीणि)  
 त्रिन्हि षडाबा. त्रण (सं.त्रीणि)  
 त्रिन्हिसइं षडाबा. त्रण सो  
 त्रिपउं षडाबा. कलाई, सीसुं (सं.त्रपु)  
 त्रिपणउ उक्तिर. जैन मुनिनुं पात्रविशेष,  
 तरपणी (सं.तर्पणकम्) [दि.तप्पणग];  
 जुओ त्रेपणउं  
 त्रिपत नरका. तृप्त  
 त्रिपन उक्तिर. त्रेपन (सं.त्रिपंचाशत्)  
 त्रिप्त ऋषिरा. धरायेल (सं.तृप्त)  
 त्रिभंगी ऋषिरा. देहना त्रण मरोड (सं.)  
 त्रिभुवनचीतु वसंवि(ब्रा). त्रणे भुवननुं हृदय  
 [- चित्त]  
 त्रिभुवनातिसायियां षडाबा. त्रणे जगतमां  
 असाधारण (सं.त्रिभुवन+अतिशयिन्)  
 त्रिभोयुं प्रेमाका. त्रीजो माळ, मजलो; जुओ  
 त्रभोइइ  
 त्रिमणइ उक्तिर. उपबा. तमणुं, त्रण गणुं  
 (सं.त्रिगुण)  
 त्रिय प्राचीफा. स्त्री  
 त्रिया अखाका. प्रेमाका. स्त्री  
 त्रियाकांड अखाका. स्त्रीनुं प्रकरण, वृत्तांत,  
 [प्रसंग]

त्रियामा कादं(शा). रात्रि (सं.)  
 त्रियोग \*आनंस्त. [(मननो) त्रण प्रकारनो  
 योग - स्थिति]  
 त्रिवलि, त्रिवली ऋषिरा. वसंफा.  
 वसंफा(ल). वसंवि. वसंवि(ब्रा). शरीर-  
 नी सुन्दरतासूचक पेट पर पडती त्रण  
 वळी (सं.)  
 त्रिवली ऐतिका. वाद्यविशेष; जुओ तिवल  
 त्रिवायउ उक्तिर. [\*चित्रक, \*सिन्दूर,  
 \*हिंगळो] [सं.त्रिपाद]  
 त्रिवेत्तीयां लावल. त्रणे वेळाए  
 त्रिस आरारा. वीसरा. तरस (सं.तृषा)  
 त्रिसट्ट, त्रिसटि लावल. षडाबा. त्रेसठ  
 (सं.त्रिषष्टिः)  
 त्रिसिउ गुर्जरा. तरस्यो (सं.तृषित)  
 त्रिसियउ आरारा. उक्तिर. तरस्यो (सं.तृषित)  
 त्रिसेंथियां प्रेमाका. त्रण लटना सेंथानी  
 गूथणीमां पहेरवानुं एक घरेणुं - दामणी  
 त्रिह जिनरा. त्रण  
 त्रिहउं गुर्जरा. त्रण  
 त्रिहत्तरि उक्तिर. तोंतेर (सं.त्रिसप्ततिः)  
 त्रिहु, त्रिहुं उपबा. तेरका. शृंगामं. त्रणे  
 (सं.त्रि+खलु)  
 त्रिहुं परि उक्तिर. त्रण रीते  
 त्री वीसरा. स्त्री  
 त्रीखउ प्राचीसं. तीक्ष्ण, [धारदार]  
 त्रीछि अभिऊ. तीरछे (सं.तिरश्चकम्)  
 त्रीठ नरका. पीडा, दुःख  
 त्रीय आरारा. स्त्री  
 त्रीया वीसरा. स्त्री